कारोबार सुगमता में उप्र की लंबी छलांग, दूसरे स्थान पर पहुंचा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राज्यों और संघ शासित प्रदेशों की कारोबार सुगमता रैंकिंग में आंध्र प्रदेश एक बार फिर से शीर्ष पर रहा है जबकि यूपी 10 स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे नंबर पर पहुंच गया है। यह लगातार तीसरा अवसर है जब आंध्र प्रदेश पहले स्थान पर रहा है। यह रैंकिंग उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने तैयार की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा शनिवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार राज्यों-संघ शासित प्रदेशों को यह रैंकिंग कारोबार सुधार कार्रवाई योजना-2019 के क्रियान्वयन के आधार पर दी गई है। उत्तर प्रदेश इस रैंकिंग में 2019 में 10 स्थानों की छलांग के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। 2018 में उत्तर प्रदेश 12वें स्थान पर था। वहीं तेलंगाना एक स्थान फिसलकर तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। 2018 में वह दूसरे स्थान

रैंकिंग कारोबार सुधार कार्रवाई योजना पर रिपोर्ट जारी करती वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण

पर था। इसके बाद क्रमशः मध्य प्रदेश (चौथा), झारखंड (पांचवें), छत्तीसगढ़ (छठे), हिमाचल प्रदेश (सातवें), राजस्थान (आठवें), पश्चिम बंगाल (नौवें) और गुजरात (दसवें) स्थान पर रहा है। दिल्ली इस रैंकिंग में 12वें स्थान पर है। इसके पिछले संस्करण में दिल्ली 23वें स्थान पर थी। गुजरात पांचवें स्थान से फिसलकर दसवें स्थान पर पहुंच गया है। असम 20वें, जम्मू-कश्मीर 21वें, गोवा 24वें, बिहार 26वें, केरल 28वें और त्रिपुरा सबसे नीचे 36वें स्थान पर है। रिपोर्ट जारी करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि राज्यों ने इस पूरी प्रक्रिया को सही भावना से लिया है। इससे राज्यों और संघ शासित प्रदेशों को कारोबार की दृष्टि से बेहतर गंतव्य बनने में मदद मिलेगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि इस रैंकिंग से पता चलता है कि राज्य और संघ शासित प्रदेश अपनी प्रणाली और प्रक्रियाओं को बेहतर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह उन राज्यों के लिए सजग होने का समय है, जो रैंकिंग में फिसल गए हैं। गोयल ने कहा कि उनका मंत्रालय मंजूरियों के लिए एकल खिड़की प्रणाली जैसे कदमों पर काम कर रहा है। वर्ष 2015 की रैंकिंग में गुजरात शीर्ष पर था, जबकि आंध्र प्रदेश दूसरे और तेलंगाना 13वें स्थान पर था। 2016 में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना संयुक्त रूप से शीर्ष पर थे। जुलाई, 2018 में जारी पिछली रैंकिंग में आंध्र प्रदेश पहले स्थान पर था। वहीं तेलंगाना दूसरे और हरियाणा तीसरे स्थान पर (शेष पेज 7)

आत्मनिर्भर भारत में अहम भूमिका निभा रहा यूपी: योगी

● ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में सुधार पर दी निवेशकों एवं उद्यमियों को बधाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में उत्तर प्रदेश द्वारा पूरे देश में द्वितीय स्थान प्राप्त किए जाने पर निवेशकों एवं उद्यमियों सहित राज्य की जनता को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा है कि स्टेट बिजनेस रिफार्म एक्शन प्लान-2019 के अन्तर्गत प्रदेश ने अपनी रैंकिंग में 10 पायदान का सुधार करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाने में उत्तर प्रदेश महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा (शेष पेज 7)

पेज एक का शेष

कारोबार सुगमता...

था। इस बार की रैंकिंग में हरियाणा फिसलकर 16वें स्थान पर पहुंच गया है। इस पूरी प्रक्रिया का मकसद राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ाना है, जिससे वे घरेलू के साथ विदेशी निवेश भी आकर्षित कर सकें। यह इस रिपोर्ट का चौथा संस्करण है। राज्यों को रैंकिंग कई मानकों मसलन निर्माण परमिट, श्रम नियमन, पर्यावरण पंजीकरण, सूचना तक पहुंच, जमीन की उपलब्धता तथा एकल खिड़की प्रणाली के आधार पर दी जाती है। डीपीआईआईटी विश्वबैंक के सहयोग से सभी राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के लिए कारोबार सुधार कार्रवाई योजना (बीआरएपी) के तहत सालाना सुधार प्रक्रिया करता है। विश्वबैंक की कारोबार सुगमता रैंकिंग में भारत 14 स्थानों की छलांग के साथ 63वें स्थान पर पहुंचा था।

आत्मनिर्भर भारत...

है। ईज आफ डुइंग बिजनेस की रैंकिंग में अभूतपूर्व और उल्लेखनीय सुधार की यह उपलब्धि सभी के सहयोग से सम्भव हुई है। राज्य सरकार प्रदेश के समग्र औद्योगिक विकास के लिए संकल्पित है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए उद्यमियों, निवेशकों तथा उद्योगपतियों को अनेक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा निवेश आए, इसके लिए राज्य सरकार ने आकर्षक नीतियां बनाकर उन्हें लागू किया है। निवेशकों तथा उद्यमियों की सुविधा के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाया है। उद्यम स्थापना की कार्रवाई को सुगम, पारदर्शी तथा समयबद्ध ढंग से संपन्न करने के लिए व्यापक स्तर पर इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों और उद्योगपतियों को और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में ईज़ ऑफ डुइंग बिजनेस की रैंकिंग में और सुधार करते हुए उत्तर प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाया जाएगा। डीपीआईआईटी द्वारा सुझाए गए 187 सुधारों में से उत्तर प्रदेश द्वारा 186 सुधार लागू किए गए। प्रदेश की इस उपलब्धि में सिंगल विण्डो पोर्टल-निवेश मित्र का महत्वपूर्ण योगदान है। विगत 2 वर्षों में प्राप्त 2,29,936 अनापत्ति, लाइसेंस प्रकरणों में से निवेश मित्र के माध्यम से 94 प्रतिशत मामलों को निस्तारित करते हुए उद्यमियों को अनापत्ति, लाइसेंस निर्गत किए गए। कारोबारी सुगमता को और व्यापक बनाने तथा सम्पूर्ण प्रदेश में ईज आफ डूइंग बिजनेस सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा समस्त 75 जनपदों के लिए ईज आफ डूइंग बिजनेस की जनपदवार रैंकिंग निर्धारित करने की व्यवस्था की गई है। इससे जनपदों के मध्य स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित होगी, प्रदेश में निवेश आकर्षित करने में मदद मिलेगी और ईज आफ डूइंग बिजनेस में वृद्धि होगी।

राजधानी में...

21, गोमती नगर विस्तार में 18, विकासनगर